Intitulé de l'épreuve : HINDI

Nombre de copies : 1

Numérotez chaque page (dans le cadre en bas de la page) et placez les feuilles dans le bon sens.

Sachez l'importance du Traité sur les eaux de l'Indus entre l'Inde et le Pakistan

Shakil Akhtar, Correspondant BBC, BBC Hindi, 8/06/22

Une Commission permanente de l'Indus, nécessaire dans le cadre du Traité sur les eaux de l'Indus conclu entre l'Inde et le Pakistan, a été annoncée la semaine dernière lors d'une réunion à Delhi à laquelle les représentants de l'Inde et du Pakistan ont pris part. Ce fut la 118e réunion de cette Commission durant les 62 dernières années. Auparavant, cette réunion avait eu lieu en mars 2022 au Pakistan.

Un traité sur les eaux de l'Indus avait eu lieu entre les deux pays en septembre 1960, sous la médiation de la Banque mondiale, après des années de négociations entre les représentants de l'Inde et du Pakistan.

Le Premier ministre indien de l'époque J. Nehru et le dirigeant du Pakistan à cette période, le General A. Khan, ont signé ce Traité à Karachi.

L'espoir était que cet accord devienne source de prospérité pour les agriculteurs des deux pays et suscite la paix, la sécurité et l'amitié.

[redacted]

Ce traité partageant les rivières a tenu sa place ces près de 62 dernières années, malgré plusieurs guerres, des divergences et des disputes. L'ex-ministre indien des ressources aquatiques Saifudin Soz dit que de tous les accords entre l'Inde et le Pakistan, celui-ci est le traité le plus abouti et influent.

Dans le cadre de ce Traité sur les eaux de l'Indus, les rivières occidentales, c'est-à-dire Jhelum, Indus et Chenab ont été placé sous le contrôle du Pakistan. Dans ce cadre, le Pakistan a les droits sur 80% de l'eau de ces rivières.

L'Inde a les droits sur l'électricité produite via l'eau de ces rivières, mais elle n'a pas le droit de bloquer l'eau ou de changer le cours de ces rivières. Le droit sur les rivières orientales, soit Ravi, Satluj et Byas, a été donné à l'Inde. L'Inde a acquis le droit de conduire des projets sur ces rivières, qui ne peuvent pas être aller à l'encontre du Pakistan.

Les membres de cette Commission se rencontrent alternativement en Inde et au Pakistan. Dans ces réunions, outre les représentants des gouvernements, des ingénieurs et des spécialistes techniques sont aussi inclus. La majorité de ces réunions sont importantes. Dans ces réunions, des échanges ont lieu sur des sujets d'importance tels que les chiffres sur les crues, la présentation des projets, le flux des eaux et la situation annuelle ./.

N°

... /...

N°

... /...

Intitulé de l'épreuve : HINDI

Nombre de copies : 1

Numérotez chaque page (dans le cadre en bas de la page) et placez les feuilles dans le bon sens.

मई २६ को 'एक भाषण के दौरान' अमेरिका के विदेश मंत्री अन्थोनी ब्लिंकेन ने चीन से जुड़ा अपने प्रशासन की रणनीति पेश की। उन्होंने कहा कि आज दुनिया का सबसे बड़ा खतरा चीन है क्योंकि चीन ऐसा ही देश है जो अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बदलना चाहता और बदल सकता है। इस संदर्भ में, कई देश चीन के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाना चाहते हैं। इस की वजह से, अमेरिका, ओस्ट्रेलिया, जापान और भारत क्वाद ग्रूप में हैं।

यह ग्रूप क्या है? भारत इस ग्रूप में शामिल होने से क्या लाभ उठा सकता है? साथ ही क्वाद में उसकी उपस्थिति की क्या सीमाएँ हैं?

*

N° 1 / 1.1.4

क्वाड ग्रूप एक रणनीतिक संगठन है, जिसमें ४ देश शामिल हैं। यह संगठन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में चीन के बढ़ते प्रभाव के विपरीत पैदा हुआ। विशेष रूप से, क्वाड के सदस्य इंडोपैसिफिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को विकास करना चाहते हैं। इन ४ देशों की नज़र में, चीन सबसे बड़ा खतरा है।

*

भारत क्वाड ग्रूप में शामिल होने से लाभ उठा सकता है। सब से पहले, यह याद दिलाना महत्वपूर्ण है कि भारत और चीन के संबंध अच्छी नहीं हैं। सीमा पर हाल ही में कई तनाव हुई। लद्दाख में, दोनों सेना से कई लोग मरे गए हैं। चीन भारत के राज्यक्षेत्र के एक हिस्सा पर संप्रभुता का दावा करता है। राजनीतिक स्तर पर, भारत के पड़ोसी देशों में दिन पर दिन चीन ज़्यादा सक्रिय होता जा रहा है। आर्थिक स्तर पर, क्षेत्रीय में, चीन पहली अर्थव्यवस्था है (और दुनिया में, अमेरिका के बाद, दुसरी अर्थव्यवस्था है)। उसके कारण, भारत के लिए क्वाड ग्रूप ज़रूरी है। वास्तव में, इस

ग्रूप के द्वारा, सदस्यों के बीच सहयोग है। ये ४ देश सैनिक प्राशिक्षण करते हैं। इन देशों के नेताओं के बीच अक्सर बैठक हैं। दुसरे शब्दों में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, यह ग्रुप महत्वपुर्ण है। इस कारण, भारत अकेला नहीं है। चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए, भारत के साथ तनाव में कोइ हीत नहीं है।

*

साथ ही साथ, क्वाद में भारत की उपास्थिति आज सीमित है। कुछ महीनों से, रुस ने युक्रेन पर हमला किया। उसके ही बाद, अमेरिका और अन्य पाश्चिमी देशों ने रुस पर दंड लगाने का निर्णय लिया। लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह निर्णय नहीं लिया, क्योंकि भारत आज तक रुस पर निर्भर है। रुस अपने गैस और उत्पाद भारत को बेचता है। यह हालत मुश्किल है, क्योंकि भारत पाश्चिमी देशों और रुस के बीच संतुलन चाहता है। उसके अलावा, चीन से जुडा, भारत और चीन तनाव के बावजूद व्यापारीक सहयोगी भी हैं।

*

N° 1

3.15.

इन सब चीजों को ध्यान में रखकर, निष्कर्ष कर सकते हैं कि भारत क्वाड ग्रुप में शामिल होने से लाभ उठा सकता है लेकिन उसकी उपस्थिति की सीमाएँ भी हैं, विशेष रुप से कुछ महीनों से।